



असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 8, 1986/अग्रहायण 17, 1908

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 8, 1986/AGRAHAYANA 17, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
a separate compilation**

वाणिज्य मंत्रालय		1	2	3	4
(आयात व्यापार नियंत्रण)					
सार्वजनिक सूचना सं. 135 आईटीसी (पीएन)/85—38		2.	74	अध्याय-18	वर्तमान उत परे 244(5) के बाद निम्नलिखित उत उत परे जोड़े जाएंगे :—
नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1986					
विषय :—अप्रैल 1985, मार्च 1988 के लिए आयात-निर्यात नीति।					"(6) 1935—38 के दौरान नि
फा. सं. 12/34/86 ई.पी.सी.—वाणिज्य मंत्रालय की सार्व- जनिक सूचना संख्या 1-आईटीसी (पीएन)/85—38, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए यथा- संशोधित आयात-निर्यात नीति की और उक्त दिनांकित जाता है।					देशों के नागरिकों द्वारा संभारित- चांदी के महे चांदी के आभूषणों तथा वस्तुओं के निर्यात के लिए स्कीम परि- शिष्ट-22 के अनुसूच-6 में दी गई है।
2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—					(7) 1985—88 के दौरान चांदी के आभूषणों तथा चांदी की वस्तुओं के लिए निम्नलिखित संवर्धन और प्रतिपूर्ति स्कीम।"
क्रम	आयात-निर्यात संदर्भ	संशोधन			
सं.	नीति 1985—88				
	(खण्ड-I) की				
	पृष्ठ सं.				
1	2	3	4		
1.	74	अध्याय-18	इस अध्याय के अंतर्गत शीर्षक की निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा :—	परिशिष्ट-22	परिशिष्ट-22 के वर्तमान उपावन्ध 5 के पश्चात् निम्नलिखित उपा- वन्ध जोड़े जाएंगे :—
			"स्वर्ण आभूषण वस्तुएं तथा चांदी के आभूषणों/महों की निर्यात संवर्धन स्कीम में।"		"उपावन्ध-6 निदेशों के तहत सप्लाय की गई चांदी के महे चांदी के आभूषण तथा वस्तुओं के निर्यात की स्कीम (इस सार्वजनिक सूचना का सं. 'क')

9. इस योजना के अन्तर्गत कुछ खादी के आवात की अनुमति सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा मनोनीत अधिकरण अधीन एच एच ई सी को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा योजना के उद्देश्य के लिए जारी किए गए सामान्य या विशिष्ट छूट आदेश के आधार पर दी जाएगी। आयातित खादी के प्रत्येक पैकेज के संबंध में निम्नलिखित करने से पहले एच एच ई सी सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को यह वचनबद्धता देने हुए एक बॉन्ड निम्नलिखित करेगा कि संविदा में निर्धारित अवधि के भीतर अपना मुख्य निष्कर्ष, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा अनुमति और ऐसी समयावधि के भीतर वह परिष्कृत खादी के तैयार आभूषणों या वस्तुओं में कमी आयातित खादी की पूर्ण मात्रा के बराबर तांबा का निर्यात करेगा और जो मात्रा निर्यात न की गई बिन्दु हो जाएगी उस मात्रा पर उगामा जाने योग्य सीमा-शुल्क को चुकाएगा। एच एच ई सी के पास सहयोगियों द्वारा प्राप्त निर्यात आदेशों के मामले में सीमा संविदा के आधारां का अनुपालन का सुनिश्चय करने के लिए ऐसे अपने सहयोगियों से सम्बंध-अलग-अलग गारंटियों प्राप्त करने का दायित्व एच एच ई सी पर होगा।

बांदा के प्राप्तिपूर्वक एवं वस्तुओं का निर्यात

10. इन योजना के अंतर्गत निर्यात की जाने वाली वस्तुएं घरेलू बाजार से प्राप्त बांदी की वनी हुई होंगी।

11. इस योजना के अंतर्गत निर्यात केवल वायुयान और डाक पार्सल द्वारा तथा बन्दर, कलकत्ता, नदाम, दिस्सी और जयपुर में स्थित सीमा-शुल्क मंदों के माध्यम से ही निर्यात (निर्यात) आदेश, 1977 के प्रावधानों के अनुसार अनुमित होगा।

12. जहाँ पर निर्यात आदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. द्वारा सीधे ही उनके नाम में प्राप्त होता है तो संबंधित निर्यातों के लिए पोतलदान बिल सीमा-शुल्क विनियमनों के अंतर्गत यथा संबंधित हस्त-शिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. द्वारा उनके स्वयं के नाम में ही दखिल किया जाएगा। उन मामलों में, जहाँ पर निर्यात आदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. के पाठ सहयोगियों के माध्यम से प्राप्त होता है तो संबंधित निर्यातों के लिए पोतलदान बिल संबंधित सहयोगियों के लेख में जिसका नाम और पता पोतलदान बिल में भी दर्शाया जाएगा, हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. के नाम में दखिल किया जाएगा। ऐसे पोतलदान बिल हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. द्वारा यह प्रमाणित करते हुए पृष्ठांकित की किये जाएंगे कि निर्यात संबंधित सहयोगियों द्वारा प्राप्त आदेश के मूदे किया गया है और हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. के साथ इसके संबंधित प्रमाणित करने वाले पत्रों के साथ यह प्रमाणित करते हुए कि निर्यात आदेश के निष्पादन के लिए विषयार्थों बांदी विदेशी केता से प्राप्त की गई थी। हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. को पृष्ठांकन करने से पहले निर्यात की जाने वाली मर्चों के विनिर्माण में उपयोग में लाई गई बांदी की मात्रा और ओर गैर ग्राहक निर्धारित मूल्य के संबंध में स्वयं संतुष्ट करने होंगे। ऐसे पृष्ठांकन हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. के केवल उन मनोनीत अधिकारियों द्वारा ही किये जाएंगे जिनके हस्ताक्षर जांच पड़ताल के लिए सीमा-शुल्क मंदों के पास पहुँचे से ही भेजे जाएंगे।

13. पोतलदान बिल में हथ बांदी के साथ-साथ निर्यात की जाने वाली प्रत्येक मर्च में उपयोग की गई बांदी के भार एवं शुद्धता और निर्यात की जाने वाली मर्चों के अज्ञात पर्यवेक्षण शुल्क मूल्य, उस सीमा-शुल्क मंद का नाम जिनके माध्यम से बांदी का अनुसंधान आयात किया गया था, प्रविष्टि बिल और विदेशी पार्टी द्वारा सत्यापन की गई बांदी की निकासी की तारीख के बारे में निर्यातक को घोषणा होनी चाहिए। पोतलदान बिल का एक अनिवार्य प्रति भी भेजी जानी चाहिए।

तथापि, उन मामलों में जहाँ पोतलदान एक ऐसे सीमा-शुल्क कार्यालय से भिन्न किया गया है जिसके माध्यम से बांदी को अनुसंधान मात्रा का आयात किया गया था तो उस सीमा-शुल्क कार्यालय के लिए मात्र के पोतलदान के पश्चात् बांड के निर्यात करने समय प्रथम संदर्भ के लिए प्रति भेजने हेतु पोतलदान बिल को दो अतिरिक्त प्रति भेजी जानी चाहिए। (यदि निर्यात की जाने वाली मात्रा तथा कुछ मर्चों के संबंध में प्रयुक्त बांदी की शुद्धता एक समान है तो निर्यातक द्वारा उनके मरकार विस्तृत व्योरे देने के बजाए उसी शुद्धता वाली ऐसी मर्चों के कुछ मूल्य तथा बांदी के कुछ भार को दिया जाए।) उचित मर्चों के मामले में पोतलदान बिल में उपर्युक्त के अनुसार बांदी के तत्व के प्रतिरिक्त मणियों/रस्सों/नोटियों के उनके विनिर्माण में प्रयुक्त बांदी के विवरण, भार/मूल्य को दिखाया जाना चाहिए।

14. यथा-पृष्ठांकित प्रत्येक पोतलदान बिल केवल उस सीमा-शुल्क मंद के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए ही वैध होगा जहाँ पर पृष्ठांकन करने वाला हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. का कार्यालय स्थित है। हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम लि. द्वारा पृष्ठांकित निर्यात के पाठ दिनों की प्रवृत्ति के लिए यह पोतलदान के लिए वैध होगा,

इसके अंतर्गत पृष्ठांकन करने की तिथि प्राप्ति नहीं होगी। यदि निर्यात इस आदि के अंतर्गत नहीं किए जा सकें हों तो निर्यातक को एक नया पोतलदान बिल साबित करना चाहिए। किसी भी पोतलदान बिल के संबंध में पोतलदान की प्रवृत्ति में कोई भी वृद्धि अनुमति नहीं होगी।

15. निर्यात के तत्पर निर्यातक पोतलदान बिल के साथ-साथ संबंधित योजनाओं की तीन प्रतियाँ और सीमा-शुल्क द्वारा यथाप्रेषित अन्य वस्तावेज संबंधित सीमा-शुल्क अधिकारियों को प्रस्तुत करेगा। निर्यात की अनुमति देने से पूर्व अन्य बातों के साथ-साथ उक्त अधिकारियों—

(1) इस बात का सत्यापन करने के लिए आवश्यक जांच करेगा कि निर्यात के लिए प्रत्येक मर्च में उपयोग की गई बांदी का भार और उसकी शुद्धता उक्त वस्तावेजों में निर्यातक द्वारा की गई घोषणा के अनुसार है; और

(2) स्वयं को इस बात से संतुष्ट करेगा कि निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात मूल्य (बांदी की लागत को मिलाकर) सीमा-शुल्क शुल्क नियम और विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अनुसार है; और

(3) इस बात से संतुष्ट होगा कि निर्यातक द्वारा निर्धारित स्वीतम मूल्य संयोजन प्राप्त कर लिया गया है।

16. सीमा-शुल्क अधिकारियों द्वारा निर्यात के लिए ऐसे पाम की गई मर्चों के बांदी के तत्व को शुद्धता एवं भार संबंधित पोतलदान बिल पर सत्यापन की जायेगी। सीमा-शुल्क अधिकारियों संबंधित योजनाओं की भी साक्षात्कृत करेंगे और पोतलदान बिल एवं संबंधित योजनाओं की दो प्रतियाँ, प्रत्येक प्रति उस व्यक्ति को जिसने निर्यात वस्तावेज प्रस्तुत किए हैं और दूसरी प्रति सीमा-शुल्क एवं हथकरघा निर्यात निगम का भेजा जाएगा।

17. निर्यातक निर्यात की तिथि से 15 दिनों के भीतर हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम के उक्त कार्यालय को जिनमें पोतलदान बिल पृष्ठांकित किया था, बांदी के रिलोज के लिए निर्यातक प्रभु में एवं विधि के अनुसार आदेश-पत्र प्रस्तुत करेगा जिसके साथ सीमा-शुल्क साक्षात्कृत योजना, सीमा-शुल्क के अधिकारियों द्वारा पोतलदान बिल, और समझौते के माध्यम से वस्तावेज के रूप में मूल बैंक प्रमाण-पत्र तथा उस हवाई उड़ान संख्या की देगा जिससे माल का निर्यात किया गया था, उसके साथ भेजे करेगा। हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम वस्तावेजों की जांच करने के पश्चात् निर्यातक को ऐसे निर्यात किए गए आभूषण की मर्चों के विनिर्माण में प्रयुक्त बांदी की मात्रा तक और जो सीमा-शुल्क द्वारा पोतलदान बिल पर प्रमाणित की गई है, बांदी रिलोज करेगा।

18. हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम दो जाने वाली बांदी की मात्रा की गणना करने के उद्देश्य के लिए, निर्यातित मर्चों की निम्न द्वारा अनुसंधान से जाने सीमा-शुल्क अधिकारियों द्वारा यथा-सत्यापित बांदी के तत्व के भार को गुणा करेगा—

उसकी शुद्धता, यदि घोषणा शुद्धता पर दी गई है। इस प्रकार गणित शुद्ध बांदी के प्रारंभ को ग्राम के निकटतम तक पूर्ण करेगा। किसी भी छाजन के लिए कोई छूट अनुमत नहीं की जाएगी।

19. जहाँ हस्तशिल्प तथा हथकरघा निर्यात लि. द्वारा निर्यात आदेश सीधे ही प्राप्त किया गया था और उनके द्वारा स्वयं निर्यात किए गए से तो निर्यातित मर्चों में प्रयुक्त की गई बांदी की मात्रा का हस्तशिल्प तथा हथकरघा निर्यात निगम द्वारा उस मात्रा के बारे में जिसका वह हकदार है के सम्बन्ध में स्वयं संतुष्ट होने के पश्चात् प्रत्यूक्ति के लिए अपने रिकार्ड में लेगा।

20. हस्तशिल्प तथा हथकरघा निर्यात निगम लि. प्रत्येक निर्यात आदेश के निष्पादन के लिए आवश्यक बांदी का प्रेषण करेगा किए गए निर्यात और ऐसे निर्यातों के मूदे रिलोज की गई बांदी की मात्रा का पूरा लेखा रखावेगा। प्रत्येक तिमाही के समाप्ति होने पर अर्थात् 30 जून, 30 सितम्बर,

31 दिसम्बर, और 31 मार्च को हस्तगिर्य तथा हथकरवा नियमित निगम भारतीय रिजर्व बैंक, बाणिज्य मंत्रालय, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा-शुल्क अधिकारक समाह्वय, जैसा भी मामला हो, को आयातित चांदी को कुन मात्रा, प्रमाणित निर्यात में प्रयुक्त की गई चांदी का कुन मात्रा और प्रकार प्रमाणित निर्यातों के मद्दे प्रतिपूर्ति के रूप में रिजर्व बैंक को गई चांदी का कुन मात्रा दर्ज होए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

हस्तगिर्य एवं हथकरवा निर्यात निगम लि. सीमा-शुल्क अधिकारियों के पास उनके द्वारा निर्यातित चांदी के संग्रहीत करने आमारों को सम्बन्धित करने के उद्देश्य से मन्त्रालय-शुल्क समाह्वय का एक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें वह प्रविष्टि बिना संख्या जितने मद्दे संविदा के निष्पादन के लिए चांदी आयात की गई थी, आयात करने की तिथि, आयातित चांदी की मात्रा, उन प्रत्येक पोतबंदन विनों की संख्या जितने मद्दे आभूषणों/मर्दों का शुद्ध पोतबंदन किया गया था, निर्यातित मर्दों का व्योरा और सम्बन्धित सीमा-शुल्क समाह्वय द्वारा यथा-संरक्षित प्रत्येक पोतबंदन विनों के मर्दों में चांदी का मात्रा आदि की वर्गीकृत जायेगा। किन्तु विविष्टि संविदा के मद्दे निर्यात किये जाने वाले सभी आभूषणों/मर्दों का पोतबंदन के पूर्व ही जाने के पश्चात् या चांदी के विदेशी संभारक के साथ संगत संविदा में निर्यातित निर्यात अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात्, उनमें से जो भी पहले हो, उसके तुरन्त बाद बांड को रद्द करने के लिए ऐसे आवेदन पत्र दिने जायें। ऐसे मामलों में जहाँ आभूषणों/मर्दों का कोई पोतबंदन इन सीमा-शुल्क कार्यालय से निर्यात अन्य कार्यालय द्वारा किया गया हो जिनके माध्यम से चांदी का प्रत्युक्त आयात प्रवाहों किया गया था तो हस्तगिर्य एवं हथकरवा निर्यात निगम लि. को रद्द करने के लिए आवेदन पत्रों के साथ उन सीमा-शुल्क कार्यालय के माध्यम से प्रवाहों किए गये निर्यातों के मद्दे लक्षन बिना को प्रतियां भेजेगा जो ऐसे सीमा-शुल्क कार्यालय से निर्यात होगा जितने माध्यम से चांदी का आयात किया गया था।

21. हस्तगिर्य एवं हथकरवा निर्यात निगम द्वारा इस योजना के अनुसार चांदी को निम्नलिखित शाखाओं में रिजर्व कराने की व्यवस्था करेगा:—

- (1) भारतीय हस्तगिर्य एवं हथकरवा निगम लि.,
11-ए, राज्ज एवेन्यू लेन,
लोक कल्याण भवन,
नई दिल्ली-110002
- (2) भारतीय हस्तगिर्य एवं हथकरवा निगम लि.,
11वीं मंजिर, नारोमन प्वाइन्ट,
निर्मल बिल्डिंग,
बम्बई-400021
- (3) भारतीय हस्तगिर्य एवं हथकरवा निगम लि.,
मुख्यमन्त्रि बिल्डिंग,
16/ए, ब्राह्मदत्त रोड,
मद्रास।
- (4) भारतीय हस्तगिर्य एवं हथकरवा निगम लि., जयपुर।
- (5) भारतीय हस्तगिर्य एवं हथकरवा निगम लि.,
कलकता।

सं.—ख

परिशिष्ट-22 का अनुसूच-7

चांदी के आभूषणों और चांदी की वस्तुओं के लिए निर्यात संबंधित और प्रतिपूर्ति योजना।

इस स्कीम के तहत संग्रहीत की गई सूची में उल्लिखित केवल चांदी के आभूषणों और वस्तुओं (सिक्कों से भिन्न) के निर्यात की अनुमति दी जायेगी। ऐसे आभूषण और वस्तुएं यदि जटिल भी होंगी तो उनके निर्यात की अनुमति इस स्कीम के तहत दी जायेगी।

2. यह योजना निम्नलिखित श्रेणियों के व्यक्तियों तक सीमित होगी

- (1) रत्न और आभूषण संवर्धन परिषद् द्वारा जारी किए गए बैंक पंजीकरण प्रमाणपत्र के धारक पंजीकृत निर्यातक,
- (2) प्रमाणित चांदी के आभूषण बनाने वालों की सहकारी समितियां, और
- (3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए निर्यात सदन प्रमाणपत्र के धारक सरकार के स्थापित वाले या उसके द्वारा नियमित निगम।

3. इस योजना में प्रथमतः भाग लेने के लिए उपर्युक्त श्रेणी (2) के लिए रत्न और आभूषण संवर्धन परिषद् को सद्यस्थिति को पहले से ही कोई आवश्यक बात नहीं होगी, लेकिन उन्हें प्रथम नियोजन की तिथि से तीन मास की अवधि के भीतर उनकी परिषद् का सदस्य बन जाना चाहिए।

4. यह स्कीम शुरू करने के लिए किए गए निर्यात के मद्दे शुद्ध चांदी की प्रतिपूर्ति के लिए मात्रा की उस सीमा तक के लिए व्यवस्था प्रदान करती है जो इसके अंतर्गत अनुमेष है। ऐसी प्रतिपूर्ति की व्यवस्था निष्पादन के अन्तर्गत उन विशेष निर्यात आवेग के संबंधित निर्यातक की ओर से चांदी की खरीद के बाद भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र में संकेतित मूल्य पर भारतीय स्टेट बैंक की मनोनित शाखाओं के माध्यम से की जाएगी जिनके निर्यात प्रमाणित कर दिए गए हों और प्रतिपूर्ति का दावा कर दिया गया हो।

5. यह योजना उन निर्यातों तक सीमित होगी जो ऐसे आवेदनों के मद्दे किए गए हों जो कि अपरिवर्तनीय साख-पत्र दफवा नकद में मुद्राओं के आधार पर हों या प्राधिकृत व्यापारों (बैंक) के माध्यम से विशेष मुद्रा में प्राप्त अग्रिम भुगतान द्वारा समर्थित हों। दस्तावेजों का आदान-प्रदान विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से हो किया जाना चाहिए। निर्यात आवेग में संशुद्ध में एक ही खरीददार का नाम होना चाहिए, यद्यपि इनमें निर्यात की एक से अधिक व्यवसायित हो सकती है।

जो आवेग अपरिवर्तनीय साख-पत्र या नकद भुगतान के आधार पर मुद्राओं द्वारा समर्थित हों उनके मद्दे किए गए निर्यातों के मामले में निर्यातक को इन बातों में निश्चित रूप में एक बचत-नकद देना होगा कि यदि वह निर्यात को पूर्ण रकम स्वदेश लाने में अनकम रकम या निर्यात की गई वस्तुएं प्रत्याहार कर दी गई या भागत को लौटा दी गई तो वह भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रिहा किए गए चांदी की जिनका कोमत और प्रवाहित आंतरिक बाजार कोमत के तहत जो लौटा होगा उनके बराबर धनराशि चुकाएगा। इसके अतिरिक्त निर्यातक को उक्त आवेग के मद्दे आयातित चांदी की मात्रा पर प्रवाहित दर पर सीमा-शुल्क का भुगतान करना होगा।

6. इस स्कीम के अन्तर्गत किए गए निर्यातों और चांदी की प्रतिपूर्ति के प्रयोजन के लिए शुद्ध चांदी के मूल्य में 20% और भुगतान मूल्य जोड़ा जाएगा। निर्यात किए जाने वाले मर्दों के जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य के लिए संगत निर्यात आवेग के संवर्धन में मूल्य संयोजन का गगना पैरा-4 में उल्लिखित प्रमाणपत्र में निर्दिष्ट मूल्य पर निर्यातित आभूषणों में शुद्ध चांदी का मात्रा के मूल्य को गंवब करे हुए को जाएगा। उदाहरणार्थ, यदि जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य 100 रुपए है तो शुद्ध चांदी का अंश का मूल्य 83 रुपए से अधिक नहीं होगा। इस प्रकार जड़ित मर्दों के मामले में शुद्ध चांदी का कुल मूल्य जिनमें चांदी, हरे या रत्न या मोती और इसके साथ-साथ यदि इनके विनिर्माण में प्रयुक्त कोई अन्य बहुमूल्य धातुएं भी शामिल हैं तो वहां 100 रुपए जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य के मद्दे 83 रुपए से अधिक नहीं होगा।

7. (1) इस योजना के पैरा 5 में यथा व्यवस्थित व्यवबद्धता और (2) पैरा 13 में यथा व्यवस्थित घोषणापत्र में यह प्रस्तुत करने पर कि इस योजना के अन्तर्गत किए गए निर्यातों के मद्दे पोतबंदन की तिथि से दो महान्त को दसव्रि से अधिक कोई भी विदेशी मुद्रा बकाया नहीं है तो लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया रिहाई आवेग भारतीय स्टेट बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा के निर्यात लाभ की वसूली से पहले भी स्वीकार किया जा सकता है।

8. इस योजना के अधीन सीमा-शुल्क सदन बम्बई/कनकना/मद्रास/दिल्ली/अमृतसर के माध्यम से केवल खरीद और निर्यात के अन्तिम निर्यात की निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1977 के प्रावधानों के अनुसार अनुमति दी जाएगी।

9. इस योजना के अधीन चांदी के धातुओं और वस्तुओं (जड़ित से बिना) का निर्यात किसी अन्य प्रत्यक्षता के लिए पात्र नहीं होगा, बल्कि चांदी के धातुओं एवं वस्तुओं जड़ित होने पर ही योजना के अन्तर्गत जड़ित की प्रारम्भ प्रक्रिया के लिए पात्र होगा बशर्ते कि कुल जड़ा गया मूल्य का 20 प्रतिशत से कम नहीं होगा जैसा कि उपर्युक्त पैरा-6 में दिया गया है। जहाँ पर निम्नलिखित मूल्य का निर्यात करने के लिए सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा सांख्यिकी बॉक्स में या प्रत्यक्ष चांदी और अन्य बहुमूल्य धातुओं के मूल्य को निकाल दिया जाएगा।

आयात प्रतिपूर्ति की अनुमति उसी महीने और उसी सीमा तक दी जाएगी जो परिशिष्ट-17 में क्रम सं. 4 के सामने अनुमेय है।

निर्यात का विधि एवं उत्पन्न निर्यात

10. निर्यातक को उसके बैंकर्स द्वारा भारतीय स्टेट बैंक से परिवर्तित कराया जाएगा और आर.बी.आई. कोड सीमा प्रमाणपत्र माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। पात्र निर्यातक निर्धारित प्रारंभ की सीमा प्रतियों में अन्य बातों के साथ-साथ यह बताते हुए कि निर्यात की जाने वाली मर्चों में चांदी की शुद्धता एवं वजन की संबंधित वजनवृद्धता का निर्धारित स्वीकृत मूल्य वृद्धि को प्राप्त कर ली जाएगी के साथ उस स्थान में स्थित भारतीय स्टेट बैंक को आवेदन देगा जहाँ पर संबंधित लाइसेंसिंग कार्यालय स्थित है और उसके साथ उसकी ओर से चांदी की अपेक्षित मात्रा का खरीद के लिए निर्यात आदेश की प्रति भी देगा।

11. आवेदक भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निर्धारित मूल्य की चांदी जो वह खरीदना चाहता है की मात्रा मूल्य के 20 प्रतिशत के मूल्य धनराशि का धरोहर के रूप में धनराशि जमा करेगा। धरोहर के रूप में यह धनराशि निर्यातक की लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए रिजर्व आदेश के मुद्दे भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चांदी की वास्तविक बिक्री के समय समर्पित की जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक अगले दो व्यापारिक दिनों के अन्तर्गत चांदी खरीदेगा और इसके पश्चात् निर्यातक की खरीदी गई चांदी की मात्रा और डालर में मूल्य (इसमें चांदी की क्रय तिथि को भारतीय स्टेट बैंक की प्रचलित टेंटेड बिक्री दर की अमरीका डालर की दर के समतुल्य इसके रूप में शामिल है) (जिस पर क्रय किए गए हैं) इस मूल्य में वह वास्तविक मूल्य शामिल होगा जिस पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चांदी क्रय की गई है और अनुचित प्रेषण-मात्रा शामिल होगा, लेकिन बिक्री कर आदि अलग होंगे और इसके साथ-साथ प्रमाणपत्र की प्रति के साथ आवेदन पत्र की दूसरी और तीसरी प्रतियां क्रमशः संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी और सीमाशुल्क सदन को भेजेगा।

चांदी की खरीद की तारीख से 45 दिनों के भीतर रिजर्व आदेश द्वारा चांदी की डिलीवरी अथवा उसके समर्पण को अवश्य प्राप्त करना चाहिए वरना इसके न करने पर निर्यातक द्वारा जमा की गई 20% का धरोहर धनराशि जब्त कर ली जाएगी। पूर्ण अथवा आंशिक रूप में निर्यात प्रभाव करने में असफल रहने पर धरोहर राशि की समानुपात मात्रा में जब्त कर लिया जाएगा।

11.1 वैकल्पिक रूप से निर्यातक को उसका और से चांदी की अपेक्षित मात्रा की खरीद के लिए भारतीय स्टेट बैंक को निर्धारित प्रारंभ (संन प्रतियों में) में आवेदन करना होगा। आवेदक को प्रचलित धरेलू मूल्य पर चांदी की लागत को भारतीय स्टेट बैंक में जमा करना होगा। निर्यातक को इस धरेलू मूल्य के अग्रिम भुगतान करने पर चांदी की कुल मात्रा को प्राप्त करने के लिए अनुमति दी जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक अगले दो कार्य दिवसों के भीतर चांदी खरीदेगा और पिछले पैरे 11 में दिए गए अनुसार उसके पश्चात् प्रमाणपत्र जारी करेगा। निर्यातक को लाइसेंसिंग प्राधिकारी से रिजर्व आदेश प्राप्त करना होगा और बैंक द्वारा चांदी की

खरीद की तारीख के 45 दिनों के भीतर भारतीय स्टेट बैंक को प्रस्तुत करना होगा जो निर्यातक द्वारा भुगतान की राशि प्रमाणपत्र मूल्य सेवा-प्रकार आदि पर खरीदी गई चांदी के अग्रिम मूल्य की उस राशि का वापस करेगा।

11.2 निर्यातक को नगद भुगतान पर चांदी के प्रचलित अन्तर्देशीय मूल्य पर प्रेषित रूप में अपेक्षित चांदी की मात्रा को प्राप्त करने के लिए भी विकल्प दिया जा सकता है बशर्ते कि चांदी की खरीद के दिने प्रचलित देशीय एवं अन्तर्देशीय मूल्य के अन्तर तथा छद्म रूप में बाला प्रस्तावित चांदी की मात्रा की अन्तर्देशीय कीमत की 20% की बैंक गारण्टी प्रस्तुत की जाए। पूर्ण अथवा आंशिक निर्यात करने में असमर्थ होने पर बैंक द्वारा निर्यातक की बैंक गारण्टी समानुपात में जब्त कर दी जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक को इसे जप्त करने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

11.3 उपर्युक्त पैरा 11 तथा 11.2 में कुछ उल्लिखित होने पर भी निर्यात करने में असमर्थ होने पर निर्यातक के निर्यात सीमा शुल्क प्रदायकों के अनिवार्य आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी।

12. निर्यात करते समय, निर्यातक, संबंधित सीमा शुल्क प्राधिकारी के पोत परिवहन बिल तथा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जिस मूल्य पर चांदी उसके लिए खरीदी गई है उसका प्रमाणपत्र भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किए जाने पर, संबंधित बॉजक की सीमा प्रतियों के साथ-साथ तथा अन्य ऐसे दस्तावेज जो सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा अपेक्षित हों, प्रस्तुत करेगा। निर्यात की अनुमति देने से पूर्व सीमा शुल्क प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ यह भी कार्रवाई करेगा:—

- (1) यह स्थापन करने के लिए आवश्यक जांच करेगा कि उपर्युक्त दस्तावेजों के निर्यात के लिए प्रत्येक मद में प्रयुक्त चांदी के भार और उसकी शुद्धता निर्यातक की घोषणा के अनुसार है तथा अनिवार्य निर्धारित स्वीकृत मूल्य संयोजन प्राप्त कर लिया गया है, तथा
- (2) अपनी यह संतुष्टि करेगा कि निर्यातक द्वारा घोषित निर्यातक मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम और विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अनुसार है।

निर्यात के लिए ऐसे पास की गई मर्चों में चांदी की मात्रा का वजन और उसकी शुद्धता का स्थापन सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा संगत परिवहन बिलों पर प्रमाणित किया जाएगा। सीमा शुल्क प्राधिकारी संबंधित बॉजक को भी सांख्यिकी करेगा और निर्यातक को परिवहन बिल की दो प्रतियां और संबंधित बॉजक लौटा देगा।

13. निर्यातक निर्यात के बाद बिना विनियम के और विदेशी मुद्रा में बिक्री की रकम की वस्तुओं के लिए प्रतीक्षा किए बिना रिजर्व आदेश जारी करने के लिए एक आवेदन पत्र निर्धारित प्रारंभ में और निर्धारित विधि से लाइसेंस प्राधिकारी को रिजर्व आदेश जारी करने के लिए आवेदन करेगा तथा इसके साथ सीमा शुल्क द्वारा प्रमाणित बॉजक, सीमा शुल्क द्वारा प्रमाणित पोतनदात बिल तथा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उसे जारी किए गए खरीद के प्रमाणपत्र का मूल प्रति संलग्न करेगा। रिजर्व आदेश जारी करने के लिए आवेदन पत्र के साथ निर्यातक को बिधिवत हस्ताक्षरित एत प्रमाणपत्र भी यह प्रमाणित करते हुए भेजना चाहिए कि उन योजना के अन्तर्गत किए गए निर्यात के मद्दे विदेशी मुद्रा की कोई भी वस्तु पोतनदान की विधि में दो महीनों की प्रतीक्षा के अधिन की बर्तनी नहीं है। लाइसेंसिंग प्राधिकारी दस्तावेजों का स्थापन करने के पश्चात् तथा प्रमाण-प्रदान में मूल्य संयोजन के प्रचलित स्वीकृत निर्यात मूल्य से कम न हो इसके जांच करने पर रिजर्व आदेश जारी करेगा जिसे कि निर्यातक यदि उसका आवेदनपत्र अथवा रूप से सही होगा तो उपर्युक्तानुसार निर्धारित मर्चों की शुद्ध चांदी की मात्रा के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त कर सके अथवा यदि चांदी देशीय मूल्य पर ली गई है तो उसके अन्तर को

सीटाया जा सके या यदि चाँदी उपर्युक्त पैरा 11.2 के प्रावधान के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य पर ली गई है तो बैंक से मुक्त कराने के लिए रिहाई आदेश जारी करेगा।

14. रिजर्व आदेश 0.099 चाँदी की शुद्धता तथा निर्यात के लिए सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित संगत पोतबंदीन बिज पर पारित मर्कों के चाँदी के तत्वों के भार तथा शुद्धता के अनुसार मात्रा की अभिव्यक्ति किया जाएगा। लाइसेंस प्राधिकारी अन्य दस्तावेजों के साथ जिस दर पर निर्यात के लिए भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चाँदी का खरीद की गई है उसके जारी किए गए प्रमाण पत्र की भी जांच करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि निर्यात द्वारा सोदे के दौरान निर्धारित न्यूनतम मूल्य संयोजन प्राप्त कर लिया गया है।

15. रिजर्व आदेश में दी जाने वाली मुद्रा चाँदी की मात्रा की गणना करने के प्रयोजनार्थ लाइसेंस प्राधिकारी सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा यथा प्रमाणित जिसने निर्यात की अनुमति दी है, निर्यातित मर्कों में चाँदी के तत्व के भार से गुणा करेगा।

16. लाइसेंस प्राधिकारी रिजर्व आदेश का एक प्रति भारतीय स्टेट बैंक को पेशकृत करेगा जो उक्त के क्षेत्राधिकार में स्थित हो जो योजना के अन्तर्गत चाँदी बेचने के लिए प्राधिकृत है।

17. इस योजना के अन्तर्गत जारी किया गया रिजर्व आदेश बहुस्तरीय है। रिजर्व आदेश धारक द्वारा चाँदी की प्राप्ति या समायोजन भारतीय स्टेट बैंक से चाँदी की खरीद के 45 दिनों के अन्दर अवश्य कर लेना चाहिए।

18. भारतीय स्टेट बैंक की गतिशील भाषा द्वारा रिजर्व आदेश धारक को इसके द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र में प्रकृत मूल्य पर चाँदी की रिहाई की जाएगी तथा व्याज की बसूती पैरा 11 के मद्दे पेशगी जमा की गई राशि में से सरकार द्वारा निर्धारित दर तथा समानुसार कम करके की जाएगी। सुविधा के प्रयोजन से बैंक द्वारा निर्यात की चाँदी की प्रतिपूर्ति निम्नतम किन्नाश तक में की जाएगी। रिहाई आदेश में प्रकृत मात्रा तथा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा खरीदी गई मात्रा में इसी प्रकार निम्नतम किन्नाश के अनुसार कर री जाएगी।

19. उचित मुदत के मद्दे पूर्णतः चाँदी खरीदते समय धारक द्वारा प्रत्येक रिजर्व आदेश को मूल रूप में भारतीय स्टेट बैंक को वापिस करना होगा।

20. रिजर्व आदेश निम्नलिखित प्राधिकारियों द्वारा जारी किए जाएंगे:—

क्षेत्राधिकार

- | | |
|--|---|
| 1. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई | महाराष्ट्र, गोवा, दमन एवं दिवु, वादर और नागर हवेली, गुजरात और मध्य प्रदेश |
| 2. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कलकत्ता | पं. बंगाल, उड़ीसा, असम, बिहार, त्रिपुरा, मेवाड़, मणिपुर, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम और अण्डमान एवं निकोबार द्वीप। |
| 3. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, मद्रास | तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, केन्द्रीय शासित क्षेत्र, लक्षद्वीप, पांडि-चेरी, कारीकल, माहो एवं यनम। |
| 4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र), दिल्ली | दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़। |
| 5. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, जयपुर | राजस्थान |

भारतीय स्टेट बैंक की निम्नलिखित शाखाओं द्वारा चाँदी रिजर्व की जाएगी:—

- (1) मुख्य प्रबन्धक, शीवरसीज शाखा, भारतीय स्टेट बैंक, बम्बई
- (2) मुख्य प्रबन्धक, शीवरसीज, शाखा भारतीय स्टेट बैंक, कलकत्ता
- (3) मुख्य प्रबन्धक, शीवरसीज शाखा, भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली
- (4) मुख्य प्रबन्धक, शीवरसीज शाखा, भारतीय स्टेट बैंक, नार्थ बॉच रोड, मद्रास
- (5) प्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक सेन बांच रोड, संगतिरी रोड, जयपुर।

सूची

इस स्कीम के अन्तर्गत चाँदी विनिर्माण के निर्यातों के लिए निर्यातित चाँदी आभूषण और चाँदी की वस्तुओं के मर्कों की सूची

1. चाँदी के आभूषण—मर्कों से बने हुए और हाथ से काटे हुए—दोनों—सादे और जड़े हुए।
2. चाय, काफी और जिनर सेट।
3. कटलरी मर्दे।
4. चाकू, रेजर, कैंची और ऐसी अन्य मर्दे।
5. बाउल्स, गोबलैट्स, वासिस और अन्य बर्तन दोनों—जड़े और सजावटी।
6. सिगरेट की डिब्बो, स्मोकिंग सेट्स जैसे ऐण्ड्रे और लाइटर आदि।
7. आभूषण रखने के बाक्स और अन्य बाक्स।
8. स्टेशनरी का सामान।
9. घड़ी, ब्रेसलेट्स, घड़ी की चैन और चयने की चैन।
10. फोटो फ्रेम, और अन्य सजावटी मर्दे।
11. चाबों के गुच्छे और चाबों की चैन।
12. प्रसाधन वस्तुएं।
13. पानी के झूम और संवर्धित मर्दे।
14. काकटेल शेकर्स।
15. बाल आभूषण, कफ लिंक, टाई के पिन और बटन आदि।
16. लाइटिंग सेट्स, फोल्डिंग स्क्रीन, पर्दे आदि।
17. झाड़ू और झुम
18. फर्नीचर की मर्दे एवं अनुबंधित, दरवाजों के हैंडल आदि।
19. ट्राफीक, पेडलस और गैडजेट्स।
20. चाँदी की बनी हुई हो आई और हुआगिल की वस्तुएं।

MINISTRY OF COMMERCE

ENCLOSURE-A

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 135-ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 8th December, 1986.

Subject : Import & Export Policy for April, 1985—March, 1988.

F.No. 12/34/86-EPC :—Attention is invited to the Import & Export Policy for April, 1985—March, 1988 (Vol.I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No.1-ITC (PN)/85-88 dated 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments shall be made in the policy at appropriate places indicated below :

Sl. No.	Page No. of Import & Export Policy, 1985-88 (Volume I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	74	Chapter-XVIII	The heading under this Chapter shall be amended as under : “Gold Jewellery/Articles and Silver Jewellery/Articles Export Promotion Schemes.”
2.	74	Chapter-XVIII	After the existing sub-para 244(5), the following new sub-paras shall be added : “(6). The Scheme for Export of Silver Jewellery and Articles against Silver supplied by the foreign buyer during 1985-88 has been provided in Annexure-VI to Appendix-22. (7) The Scheme of Export Promotion and Replenishment for Silver Jewellery and Silver Articles during 1985-88 has been provided in Annexure-VII to Appendix-22.”
3.	337	Appendix-22	The following annexures shall be inserted after the existing Annexure-V to Appendix 22 : Annexure VI : Scheme for export of silver jewellery and articles against silver supplied by the foreign buyer. (Enclosure A of this public notice). Annexure-VII : Export promotion and replenishment scheme for silver jewellery and silver articles. (Enclosure B of this public notice).

3. The above amendments have been made in Public Interest.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports

ANNEXURE—VI TO APPENDIX—22

SCHEME FOR EXPORT OF SILVER JEWELLERY AND ARTICLES AGAINST SILVER SUPPLIED BY THE FOREIGN BUYER

Export of silver jewellery and manufacture as per list referred to in Annexure-VII will alone be allowed under the Scheme. Such articles, when studded, will also be permitted to be exported under the Scheme.

2. The Scheme will apply to export orders received by Handicrafts and Handlooms Export Corporation, New Delhi, either directly or through their eligible associates.

3. Only the following categories of persons will be allowed to operate as eligible associates of Handicrafts and Handlooms Export Corporation for the purpose of the Scheme :

- Registered exporters having valid Registration Certificates issued to them by Gem and Jewellery Export Promotion Council ;
- Cooperative Societies of certified silver-smiths ; and
- Corporations owned or controlled by Government holding Export House Certificate issued by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

SCOPE OF THE SCHEME

4. The Scheme provides for export of silver ornaments and manufactures against silver supplied (free of charge) in advance by the foreign buyer concerned to the extent of the quantity of silver used in the manufacture of the items to be exported. Such silver should be received before the export of the articles is allowed. Export orders should provide for payment of manufacturing and other costs involved, either by means of an irrevocable letter of credit, or payment on cash-on-delivery basis, or advance payment in foreign exchange received through an authorised dealer (Bank). The documents should be negotiated through an authorised dealer in foreign exchange only. The export order should relate to the single buyer overseas, although it may cover more than one item of export.

5. A minimum value added of 20 per cent over the value of the silver content will be insisted upon in respect of exports made under the Scheme. The value added will be calculated with reference to the value of the silver content in the items exported, at the price notified by Handicrafts and Handlooms Export Corporation, New Delhi, as the price of silver, at the beginning of each month. For example, if the f.o.b. value of the items to be exported is Rs. 100/-, the value of the silver calculated at the notified price should be Rs. 83/- or less. In the case of studded items, the total value of the silver and other items, namely, stones, gems, pearls and other precious metals, if any, used in the manufacture of the items exported, should likewise be Rs. 83/- or less, when the f.o.b. value of the item(s) to be exported is Rs. 100/-

6. Export of silver and articles (other than studded) made under the Scheme will not be eligible for any other incentive. Export of silver ornaments and articles, when studded, made under the Scheme will, however, be eligible for import replenishment against the studdings (stones, gems or pearls) exported, subject to the condition that the net value added, in respect of the studdings, will not be less than 20 per cent as provided in para 5 above. For the purpose of determining f.o.b. value, the value of studdings as shown in the Customs attested invoice, shall be taken into account. Import replenishment of the same items would be admissible in terms of P.4 of Appendix-17 of the Import-Export Policy (1985-88).

7. The Handicrafts and Handlooms Export Corporation of India Ltd. (HHEC) has been nominated as the authority to operate the Scheme. The export orders against which exports are allowed will be those as are received directly by this agency or through their eligible associates.

IMPORT OF SILVER UNDER THE SCHEME

8. The imported silver shall be cleared through the Customs authorities only by the said nominated agency, i.e. HHEC, either on their own behalf when the export orders are received by them or on behalf of their eligible associates, where the export orders have been received through such associates.

In the latter case, the exporter shall have to authorise the HHEC to act as its agent to file the Bill of Entry and clear the imported silver from Customs as also to file the relevant Shipping Bill for making the corresponding exports through Customs.

9. Import of pure silver under the Scheme will be allowed by the Customs authorities to the designated agency, i.e. HHEC on the basis of an exemption order, whether general or specific, issued by the Reserve Bank of India for the purpose of the Scheme. In respect of each consignment of imported silver, HHEC will execute before clearance a bond with the Customs authorities, undertaking to export silver equivalent to the entire quantity of the imported silver as the input in the finished silver jewellery or articles, within the period stipulated in the contract or within such further time as may be allowed by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, and to pay Customs duty leviable on the quantity which is not proved to have been exported. In the case of export orders received by the eligible associates of the HHEC, it will be for the HHEC to secure corresponding guarantees from their such associates separately, to insure compliance with contractual obligations.

EXPORT OF SILVER ORNAMENTS AND ARTICLES

10. The articles to be exported under the Scheme will be manufactured out of the silver procured from the domestic market.

11. Exports under the Scheme will be allowed only by air freight and post parcel and through the Customs Houses at Bombay, Calcutta, Madras, Delhi and Jaipur as per provisions of the Exports (Control) Order, 1977.

12. Where the export order is received by the HHEC directly in its own name, the shipping bill for the relevant exports will be filed by the HHEC in its own name as required under the Customs regulations. In cases where the export order has been received through the eligible associates of the HHEC, the shipping bill for the relevant exports will be filed in the name of HHEC on account of the concerned Associates whose name and address will also appear on the shipping bill. Such shipping bill shall contain an endorsement by HHEC, certifying that the export is being made against an order received through the concerned associate and registered with HHEC, giving the date on which it was registered with them and certifying that the silver for the execution of the export order in question was duly received from the foreign buyer. Before making the endorsement, the HHEC will satisfy itself about the quantity of silver used in the manufacture of items to be exported and about the prescribed minimum value addition. Such endorsements may be made only by the designated officers of HHEC whose signature will be deposited with Customs before hand for verification.

13. The shipping bill should, inter-alia, contain the exporter's declaration about the weight and the purity of silver used in each item to be exported, and the f.o.b. value of the items to be exported, name of the Customs House through which corresponding import of silver was effected, the Bill of Entry and the date of clearance of silver supplied by the foreign party. An extra copy of the shipping bill should also be furnished.

However, in cases where shipments are made through a Customs House other than the Customs House through which the corresponding import of silver was effected, two extra copies of the shipping bill should be filed for being sent by the Customs House after shipment of the goods to the Customs House through which the corresponding import was made for reference at the time of cancellation of the bond. (If the purity of silver used is the same in respect of all or some of the items to be exported, the exporter may give the total weight of silver and the total value of such items as are of the same purity, instead of giving their details items-wise. In the case of studded items, the shipping bill should show, in addition to silver content, as above, the description, weight/value of the stones/gems/pearls used in their manufacture.

14. Each shipping bill as endorsed will be valid for export made only through the Customs House located at the place where the HHEC's office, which made the endorsement, is situated. It will be valid for shipment for a period of seven days from the date of the endorsement by HHEC excluding the date on which the endorsement was made. If the exports cannot be made within this period, the exporter should file a fresh shipping bill. No extension in the period of shipment will be allowed in respect of any shipping bill.

15. At the time of export, the exporter shall present to the concerned Customs authority, along with the shipping bill, three copies of the connected invoices as well as other documents as may be

required by Customs. Before allowing the export, the said authority will, inter-alia :

- (i) do the necessary checks to verify that the weight and the purity of silver used in each item for export is as per the exporter's declaration in the said documents ; and
- (ii) satisfy itself that the export value (minus the cost of silver) declared by the exporter is in accordance with the Customs Act and the Foreign Exchange Regulations Act, and
- (iii) satisfy that the prescribed minimum value addition has been realised by the exporter.

16. The weight and purity of the silver content of the items so passed for export will be verified by the Customs authorities on the relevant shipping bills. The Customs authorities will also attest the connected invoices and return two copies of the shipping bill and the connected invoices—one copy to the person who presents the export documents and the other copy to the office of HHEC directly.

17. The exporter shall, within 15 days from the date of export, submit to the same office of HHEC which endorsed the shipping bill, an application in the prescribed form and manner for release of silver, attaching thereto the Customs attested invoice, Customs authenticated shipping bill and the bank certificate in original in evidence of the negotiation of documents and the flight number by which the consignment was exported. The HHEC will, after verifying the documents, release the silver to the exporter to the extent of the silver used in the manufacture of the jewellery article so exported and as certified by Customs on the shipping bill.

18. For the purpose of calculating the quantity of silver to be issued, the HHEC will multiply the weight of the silver content of the exported item, as certified by the Customs authority which allowed the export by the following :

Its fineness, if the declaration is in fineness.
The figure of pure silver so calculated will be rounded to the nearest of a gram. No allowance will be allowed for any wastage.

19. Where the export order was secured directly by HHEC and the exports were made by them on their own, the quantity of silver used in the items exported will be taken by HHEC on its records for replenishment after having satisfied itself with respect to the quantity to which it is entitled.

20. The HHEC shall maintain a complete account, consignment-wise, of the silver imported for execution of each export order, the exports effected and the quantity of silver released against such exports. At the end of each quarter, viz., 30th June, 30th September, 31st December and 31st March, the HHEC shall submit a report to the Reserve Bank of India, Ministry of Commerce, the Chief Controller of Imports and Exports and jurisdictional Collector of Central Excise or Customs, as the case may be, indicating the total quantity of silver imported, the total quantity of silver used in exports effected and the total quantity of silver released as replenishment against exports thus effected.

1253 GI/8—2

In order to get a discharge of its obligation under the bond executed by it with the Customs authorities, the HHEC will furnish to the concerned Collector of Customs a statement indicating the Bill of Entry No. against which silver was imported for execution of the contract, date of importation, quantity of silver imported, number of each of the shipping bills against which corresponding shipments of ornaments/articles were made, description of the goods exported and the silver content in respect of each shipping bill as certified by the concerned Customs authorities. Such application for the cancellation of the bond shall be made immediately after the completion of the shipment of all the ornaments/articles to be exported against a particular contract or the expiry of the period of export stipulated in the relevant contract with the foreign supplier of silver, whichever is earlier. In cases where any of the shipment of ornaments/articles is done through a Custom House other than the one through which the corresponding import of silver was effected, the HHEC, with their application for cancellation of the bond, will also furnish copies of the shipping bills against which exports are effected through Customs House other than the one through which silver was imported.

21. The HHEC will arrange to release silver in accordance with the Scheme at the following branches :

- (i) HHEC of India Limited,
11A, Rouse Avenue Lane,
Lok Kalyan Bhavan,
New Delhi-110002.
- (ii) HHEC of India Limited,
11th Floor, Nirmal Building,
Nariman Point,
Bombay-400021.
- (iii) HHEC of India Limited,
Sudarshan Building,
16/A, Whites Road,
Madras.
- (iv) HHEC of India Limited,
Jaipur.
- (v) HHEC of India Limited,
Calcutta.

ENCLOSURE—B

ANNEXURE VII TO APPENDIX 22

EXPORT PROMOTION AND REPLENISHMENT SCHEME FOR SILVER JEWELLERY AND SILVER ARTICLES

Export of silver jewellery and articles (other than coins), mentioned in the list annexed, will alone be allowed under this Scheme. Such jewellery and articles, when studded, will also be permitted to be exported under the Scheme.

2. The Scheme will be confined to the following categories of persons :

- (i) Registered exporters having valid Registration Certificate issued to them by the Gem & Jewellery Export Promotion Council ;

(ii) Cooperative Societies of certified silver-smiths; and

(iii) Corporations owned or controlled by Government holding valid Export House Certificates issued by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

3. Membership of the Gem and Jewellery Export Promotion Council will not be a pre-requisite for the category (ii) above to participate in the Scheme to begin with, but they should join the Council within a period of three months from the date of first export.

4. The Scheme provides for replenishment of pure silver to the extent of the quantity admissible thereunder against exports made in accordance with it, such replenishment being arranged through the designated branches of the State Bank of India at a price indicated in the Certificate issued by the SBI after the purchase of silver on behalf of the concerned exporter in respect of the specific export order in execution of which exports have been effected and replenishment claimed.

5. The Scheme will be limited to exports effected against such orders as are backed by an irrevocable letter of credit or payment on cash-on-delivery basis or advance payment in foreign exchange received through an authorised dealer (bank). The documents should be negotiated through an authorised dealer in foreign exchange. The export order should relate to a single buyer overseas, although it may cover more than one item of export.

In case of export effected against such orders as are backed by either an irrevocable letter of credit or payment on cash-on-delivery basis, the exporter will have to give an undertaking in writing agreeing to refund the difference between the sale price of silver released by the SBI and its prevailing internal market price, if he fails to repatriate the export proceeds in full or if the articles exported are rejected or returned to India. In addition, the exporter will be liable to pay customs duty at the prevailing rate on the quantity of silver imported against the said export order.

6. The minimum value addition of 20 per cent over the value of pure silver content will be insisted upon in respect of exports made under the Scheme and for the purpose of replenishment of silver. The added value will be calculated by relating the value of pure silver content at the price indicated in the Certificate referred to in para 4 in respect of relevant export order, to the f.o.b. price of items to be exported. For example, if the f.o.b. price is Rs. 100, the value of pure silver content must not be more than Rs. 83. In the case of studded items the total value of pure silver, stones, gems or pearls as well as other precious metals, if any, used in their manufacture should not be more than Rs. 83 against the f.o.b. price of Rs. 100.

7. On furnishing (i) an undertaking as provided in paragraph 5 and (ii) the declaration as provided in paragraph 13 of the Scheme that no realisation of foreign exchange against exports made under this Scheme is outstanding beyond a period of two months from the date of shipment, the Release Order issued by the Licensing Authority may be honoured by the SBI even prior to the realisation of export proceeds in foreign exchange.

8. Exports under the Scheme shall be allowed only by air freight and by post parcel, and through the Customs Houses at Bombay|Calcutta|Madras|Delhi|Jaipur, as per provisions of Exports (Control) Order, 1977.

9. Exports of silver jewellery and articles (other than studded) made under the Scheme will not be eligible for any other incentive. Exports of silver jewellery and articles, when studded and effected under the Scheme will, however, be eligible for import replenishment of studgings subject to the condition that the net value added will not be less than 20 per cent as provided in para 6 above. For the purpose of determining f.o.b. value, the value of silver and other precious metals as shown in Customs attested invoice shall be excluded. Import replenishment of the same items and to the same extent as allowed against S. No. p. 4 in Appendix 17, will be admissible.

Mode of exports and its control :

10. The exporter will be introduced by his/her bankers to the SBI and the RBI's Code No. Certificate will be produced as an evidence. This will be a one-time requirement, at the initial stage. The eligible exporter shall apply in the prescribed form indicating, inter alia, the purity and weight of silver in the items sought to be exported with an unequivocal commitment that the prescribed minimum value addition will be achieved, in triplicate to the SBI located at the place where the concerned licensing office is situated, along with a copy of the export order for purchase of the required quantity of silver on his behalf.

11. The applicant will deposit, as earnest money, an amount at least equivalent to 20 per cent of the national price of silver fixed by the SBI for the quantity of silver sought to be purchased. This amount by way of earnest money will be adjusted at the time of actual sale of silver by the SBI against the Release Order issued by the Licensing Authority to the exporter. The SBI will purchase silver within the next two business days and issue thereafter a certificate to the exporter, indicating the quantity of silver purchased and the price in dollars (including its rupee equivalent at the ruling TT selling rate of US dollars on the date of purchase of silver) at which purchased (this price shall be the actual price at which silver is purchased by the SBI plus service charge permitted but exclusive of sales tax) and simultaneously forward the duplicate and triplicate copies of the application along with a copy of the certificate to the concerned licensing authority and the Customs House respectively.

Delivery or adjustment of silver by the Release Order must be secured from SBI within 45 days from the date of purchase of silver, failing which the exporter will forfeit the earnest money of 20 per cent deposited by him. Failure to effect export in full or in part will entail proportionate forfeiture of the earnest money.

11.1 Alternatively, the exporter shall apply in the prescribed form in triplicate to SBI for purchase of the required quantity of silver on his behalf. The applicant would deposit with the SBI the cost of silver at the prevailing domestic price. The exporter shall be allowed to obtain the entire quantity of silver in

advance on payment of this domestic price. The SBI will purchase silver within the next two business days and issue thereafter a certificate as mentioned in the preceding para No. 11. The exporter shall have to obtain the Release Order from the Licensing Authority and produce the same before the SBI within 45 days of the date of the purchase of silver by the Bank who would thereon refund the money paid by the exporter in excess over the price of silver purchased at international price plus service charges, etc.

11.2 The exporter may also be allowed the option to obtain the requisite quantity of silver from the SBI in advance at the then prevailing international price on cash payment provided the exporter submits a bank guarantee of an amount equal to the difference between the prevailing international price and the domestic price on the day of purchase plus 20 per cent of the international price of the quantity of silver proposed to be purchased. For failure to effect the exports in full or in part, by the exporter, the Bank would forfeit the bank guarantee proportionately. The SBI would be authorised to effect this forfeiture.

11.3 Notwithstanding anything mentioned in paras 11 and 11.2 above, failure to effect export will entail action against the exporter under the Imports (Control) Order 1955 in addition to the recovery of Custom duty payable.

12. At the time of export, the exporter shall present to the concerned Customs Authority, along with the shipping bill and the certificate issued by SBI in regard to the price at which SBI purchased silver for him, three copies of the connected invoice as well as such other documentation as may be required by Customs. Before allowing the export, the Customs authority will, inter alia :

- (i) do the necessary checks to verify that the weight, purity of silver used in each item for export is as per the exporter's declaration in the said documents and the prescribed minimum value addition has been realised, and
- (ii) satisfy itself that the export value declared by the exporter is in accordance with the Customs Act and the Foreign Exchange Regulations Act.

The weight and purity of silver content of the items so passed for export will be verified by Customs and certified on the relevant shipping bill. The Customs authorities will also attest the connected invoice and return two copies of the shipping bill and the connected invoice to the exporter.

13. The exporter shall, without delay, after the exports have been made and without waiting for the realisation of the sale proceeds in foreign exchange, submit to the licensing authority an application, in the prescribed form and manner, for the issue of a Release Order and attach thereto the Customs attested invoice, the Customs authenticated shipping bill and the certificate of purchase issued to him by the SBI in original. Along with the application for issue of a Release Order, the exporter should also furnish a declaration, duly signed by him, certifying that no reali-

sation of foreign exchange against exports made under this Scheme is outstanding beyond a period of two months from the date of shipment. The licensing authority will, after verifying the documents and that value addition in the transaction is not less than the prescribed minimum, issue a Release Order so as to enable the exporter to secure the replenishment of pure silver content of the items exported as above or for refund of difference if the silver has been obtained at domestic price or for redemption of the bank guarantee in case silver has already been secured at international price in terms of the provision in para 11.2 above, if the application is otherwise in order.

14. The Release Order will be expressed in terms of silver of 0.999 fineness and for a quantity equivalent to the weight and purity of the silver content of the items passed for export as certified by the Customs authorities on the relevant shipping bill. The Licensing Authority will scrutinise, among other documents, the certificate issued by the SBI regarding the price at which it purchased silver on behalf of the exporter and ensure that the prescribed minimum value addition is achieved by the exporter in the transaction.

15. For the purpose of calculating the quantity of pure silver to be set down in the Release Order, the Licensing Authority will multiply the weight of the silver content of the exported items, as certified by the Customs authorities which allowed the export, by their fineness.

16. The licensing authority will endorse a copy of the Release Order to the SBI branch located within the area of its jurisdiction who is authorised to release silver under the Scheme.

17. The Release Order issued under the Scheme shall not be transferable. Delivery or adjustment of silver by the R. O. holder must be secured from the Bank within 45 days from the date of purchase of silver by the SBI.

18. The designated branch of the SBI will release silver to the Release Order holder at the price indicated in the certificate issued by it and, will also recover interest on the rupee equivalent less the earnest money deposited vide para 11 at such rate and for such period as specified by the Government. Silver will be replenished to the exporter by the bank upto the nearest kilogram for purposes of convenience. The quantity to be indicated in the Release Order and the quantity to be purchased by the SBI is also to be rounded off likewise to the nearest kilogram.

19. Every RO shall be surrendered by the holder in original to the SBI at the time of purchase of silver as above against proper acquittance.

20. The Release Orders would be issued by the following Authorities : —

Jurisdiction

1. Jt. CCI&E, Bombay.—Maharashtra, Goa, Daman & Diu, Dadra and Nagar Haveli, Gujarat and Madhya Pradesh.
2. Jt. CCI&E, Calcutta.—West Bengal, Orissa, Assam, Bihar, Sikkim, Meghalaya, Manipur, Nagaland, Arunachal Pradesh, Mizoram, Tripura and Andaman & Nicobar Islands.

3. Jt. CCI&E, Madras.—Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Andhra Pradesh, Union Territory of Lakshadweep, Pondichery, Karaikal, Mahe and Yanam.
4. Jt. CCI&E(CLA), Delhi.—Delhi, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh and Chandigarh.
5. Dy. CCI&E, Jaipur.—Rajasthan.

The silver would be released by the following Branches of the State Bank of India :—

- (i) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
Bombay.
- (ii) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
Calcutta.
- (iii) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
North Beach Road,
Madras.
- (iv) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
New Delhi.
- (v) The Manager,
State Bank of India,
Main Branch,
Sanganiri Gate,
Jaipur.

LIST

List of items of silver jewellery and silver articles that may be exported under the Scheme for exports of silver manufacture.

1. Silver Jewellery—machine-made and hand-crafted, both plain and studded.
2. Tea, Coffee and Dinner sets.
3. Cutlery items.
4. Knives, razors, scissors and such other items.
5. Bowls, goblets, vases, and other utensils, both plain and ornamental.
6. Cigarette boxes, Smoking sets such as ash-trays & lighters etc.
7. Jewellery boxes and other boxes.
8. Stationery items.
9. Watch bracelets, watch chains and spectacle chains.
10. Photo frames and other decorative items.
11. Key holders and key chains.
12. Toilet articles.
13. Water containers and related items.
14. Cocktail shakers.
15. Hair ornaments, cuff-links, necktie pins and buttons, etc.
16. Lighting sets, folding screens, screens, etc.
17. Brioms and brushers.
18. Furniture items and accessories, door handles etc.
19. Trophies, medals and medallions.
20. Objects d'art and handicraft items made entirely of silver.